Lesson-08

Mother Teresa

Introduction:

The teacher will enter the classroom in a pleasant mood. During attention of the students the teacher will ask them such questions as

(i) Who loves and serves you most?
(ii) Who cares you most when you become ill?

Most of the students will answer- mother and sister.

Now, the teacher will tell the students that we are going to learn about the life of a woman named. ñMother Tersaò, who sensed the poorest of the poor, orphans (अनाथ) suffering people from all kinds of diseases throughout her life.

Central Theme;

(i) Serving poor people, handicapped (विकलांग), orphans and suffering greatest service.
(ii) Live affectionately (स्नेहपूर्वक), love each-other in your family and also in your society.
(iii) Even if you face difficulties and criticism in doing good work and helping mankind go on doing it with a smile.

Reading: The teacher will read one paragraph of the lesson with proper pronunciation and following with punctuation marks two or three times. Now students will read aloud the same paragraph with proper pronunciation and following punctuation marks one by one. The teacher will assist the students.

Vocabulary:

Word		Pronunciation		Meaning
Woman	–	वूमन	–	औरत, महिला
Respected	–	रिस्पेक्टेड	–	सम्मानित, आदरणीय
Society	–	सोसाइटी	–	समाज
Why	–	ह्वाई	–	क्यों
Serve	–	सर्व	–	सेवा करना
Handicapped	–	हैण्डीकैप्ड	–	विकलांग
Orphan	–	ऑरफन	–	अनाथ
Age	–	एज	–	समय/काल
Youngest	–	यंगेस्ट	–	सबसे छोटी/सबसे छोटा
Child	–	चाइल्ड	–	बच्ची
Builder	–	बिल्डर	–	निर्माता
Early name	–	अरली नेम	–	बचपन का नाम
Popularly	–	पेापुलरली	–	लोकप्रियता से
Accept	–	एक्सेप्ट	–	स्वीकार करना

https://www.evidyarthi.in/

Prize	–	प्राइज	–	पुरस्कार
Advised	–	एडभाइज्ड	–	सलाह दिया
Death	–	डेथ	–	मृत्यु
Associated	–	एसोसिएटेड	–	संबंधित/जुड़े हुए
Brother hood	–	ब्रदर हुड	–	भाई चारा
Members	–	मेम्बर्स	–	सदस्य
Operating	–	ओपरेटिंग	–	संचालन करना
Mission	–	मिशन	–	पवित्र ध्येय से खोला गया कार्यालय/किया जाने वाला कार्य
Included	–	इन्क्लूडेड	–	शामिल किया
Leprosy	–	लेप्रसी	–	कुष्ठ
Tuberculosis	–	ट्यूबर कुलोसिस	–	यक्ष्मा/टीबी
Counseling	–	काउन्सेलिंग	–	समझाना
Programme	–	प्रोग्राम	–	कार्यक्रम
Personal	–	पर्सनल	–	व्यक्तिगत
Orphanage	–	ऑरफनेज	–	अनाथालय
Granted	–	ग्रान्टेड	–	प्रदान किया गया
State Funeral	–	स्टेट फ्यूनेरल	–	राजकीय अन्त्येष्टि
Gratitude	–	ग्रेटिच्यूड	–	कृत्तज्ञता
Services	–	सर्विसेज	–	सेवाएं
Religion	–	रिलिजन	–	धर्म
Known	–	नोन	–	जानी जाती हैं।
Initial	–	इनीसियल	–	शुरू के दिनों में
Vow	–	वाउ	–	शपथ लेना/शपथ
Nun	–	नन	–	तपस्विनी (ईसाई)
Taught	–	टॉट	–	शिक्षा दिया/पढ़ाया
Suffering	–	सफरिंग	–	कष्ट
Poverty	–	पोवर्टी	–	गरीबी
Leave	–	लीव	–	छोड़ना
Devoted	–	डिभोटेड	–	समर्पित
Slums	–	स्लम्स	–	गन्दी बस्ती/झोपड़पट्टी
Although	–	ऑलदो	–	यद्यपि
Open air	–	ओपेन एयर	–	खुली जगह में
Mission aries	–	मिशनरीज	–	धर्म प्रचारक
Charity	–	चैरिटी	–	दान
Fund	–	फन्ड	–	कोष
Received	–	रिसीव्ड	–	प्राप्त किया
Distinctions	–	डिस्टिंक्शन्स	–	श्रेष्ठता
International	–	इन्टरनेशनल	–	अन्तर्राष्ट्रीय
Award	–	अवार्ड	–	ईनाम
To face	–	टु फेस	–	मुकाबला करना

https://www.evidyarthi.in/

Criticism	–	क्रिटिसिज्म	–	आलोचना
Peace	–	पीस	–	शांति
Difficulties	–	डिफिकल्टीज	–	कठिनाइयॉ
Underred	–	अनडेटर्ड	–	पथ से अविचलित

Activities:

Each sentence of this lesson will be written on a card and its meaning in Hindi will be written on its back. Serial number will also be written on the card. Now the students will stand in a row or in a circle. First student will speak the first sentence and its meaning in Hindi. The second student will speak the second sentence and its meaning. In this way the story and its meaning will be told. This activity will be repeated twice or thrice. Changing the serial number of the students this activity can also be repeated. Students will be involved in more and more sentences.

Evaluation

While teaching students must be assessed. Questions should be raised from the text portions.

Students will be asked to name some other great social workers. [Their answers may be Swami Vivekanand Swami Dayanand Saraswati and Ramkrishna Parmahans.]

Racap:

The teacher will repeat whole activities of the classroom transaction in a nutshell.

Exercise: Exercises given in the lesson must be solved by the students. The teacher will assist them where ever they will be required. The teacher may change the order of the questions in the given lesson.

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

ikB dk fgUnh vuqokn

मदर टेरेसा हमारे युग की एक महान संत थीं। उनका जन्म मैसिडोनिया के स्कोपजी में छब्बीस अगस्त, 1910 ई0 को हुआ था। अल्बानियॉ के एक गृह–निर्माता की वह सबसे छोटी संतान थीं। उनके बचपन का नाम एग्नेस था। लेकिन वह मदर टेरेसा के नाम से लोकप्रिय हैं। प्रांरभ में ही उन्होंने तपस्विनी बनने की ठान ली। 1931 से 1941 तक उन्होंने संत मैरी उच्च विद्यालय, कोलकाता में शिक्षण कार्य किया। लेकिन लोगों की कठिनाइयाँ और गरीबी ने उन्हें कन्वेन्ट विद्यालय छोड़ने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कोलकाता की गन्दी बस्तियों में रहने वाले निर्धनतम लोगों के बीच समर्पित होकर कार्य करना शुरू किया। यद्यपि उनके पास कोष (पैसे) नहीं थे, उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी आरंभ किया। उन्होंने गन्दी बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए खुला विद्यालय आरंभ किया।

1950 में उन्होंने मिशनीज ऑफ चैरिटी आरंभ किया। उन्होंने उन लोगों की देखभाल और प्यार किया जिन्हें कोई देखने वाला नहीं थे। उन्हें अनेक राष्टीय और अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान मिले। इनमें से कुछ थे – पोप जॉन तेरहवाँ शांति पुरस्कार, मैग्सेसे पुरस्कार, भारत रत्न (देश का सर्वोच्च असैनिक पुरस्कार) और नोबेल शांति पुरस्कार (1979)।

मदर टेरेसा को बहुत सी कठिनाइयों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन वह विचलित नहीं हुई। उन्होंने कहा, कोई बात नहीं, कि कौन क्या कहता है? तुम्हें इसे मुस्कुराकर स्वीकार करना चाहिए और अपना काम करना चाहिए।

नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर एक प्रश्न दुनियॉ में शांति कैसे स्थापित किया जाए के जबाव में उन्होंने लोगों को सलाह दिया, अपने परिवार में वापस जाइए एवं परिवार के लोगों से प्यार कीजिए।

मदर टेरेसा का निधन 5 सितम्बर 1997 को हुआ। उनकी मृत्यु के समय में मिशनरीज ऑफ चैरिटी (उनकी संस्था) में चार हजार से उपर महिला कार्यकर्ता और तीन सौ से उपर पुरूष कार्यकर्ताओं के द्वारा एक सौ तेईस देशों के छः सौ दस केन्द्रों को संचालित किया जाता था। इनमें अस्पताल, एड्स, कुष्ठ और यक्ष्मा रोगियों हेतु आवास, बच्चों एवं पारिवारिक परामर्श कार्यक्रम, व्यक्तिगत मदद, अनाथालय और विद्यालय थे।

कृतज्ञ भारत (सरकार) ने अपने सभी धर्मों के गरीबों की सेवा के लिए उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/